

## फशिंगि कैट कॉलरगि परियोजना

### चर्चा में क्यों?

[भारतीय वन्यजीव संस्थान-देहरादून](#), [कोरगि वन्यजीव अभयारण्य](#) में भारत की पहली [फशिंगि कैट कॉलरगि परियोजना](#) शुरू करने के लिये तैयार है।

### मुख्य बदि

- कोरगि वन्यजीव अभयारण्य:
  - 235 वर्ग किलोमीटर में वसित कोरगि वन्यजीव अभयारण्य (CWS) भारत का दूसरा सबसे बड़ा [मैंग्रोव आवास](#) है।
  - यह [लुप्तप्राय फशिंगि कैट का आवास](#) है।
  - [गोदावरी नदी](#) के मुहाने पर स्थित यह अभयारण्य [आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में कोरगि नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थित](#) है।
  - कृष्णा नदी के मुहाने पर स्थित वन क्षेत्र में [कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य](#) फशिंगि कैट का एक अन्य नवास स्थान है।
- फशिंगि कैट की जनसंख्या का रुझान:
  - वर्ष 2018 में पहले [फशिंगि कैट सर्वेक्षण](#) में 115 व्यक्तियों की आबादी दर्ज की गई थी।
  - [पछिले पाँच वर्षों](#) में इनकी संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो अभयारण्य में तथा इसके आसपास जनसंख्या वृद्धि का संकेत देती है।
- मैंग्रोव संरक्षण और सामुदायिक भूमिका:
  - स्थानीय समुदाय, [पर्यावरण विकास समितियों \(EDC\) के माध्यम से](#), मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र का सक्रिय रूप से संरक्षण करते हैं।
  - कुल 420 स्थानीय लोग EDC का हिस्सा हैं, जो वैकल्पिक आजीविका के लिये [समुदाय-आधारित पारिस्थितिकी पर्यटन \(CBET\) का प्रबंधन भी करते हैं।](#)
- भारत की पहली फशिंगि कैट कॉलरगि परियोजना:
  - भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून, दूसरी फशिंगि कैट जनगणना के भाग के रूप में भारत की पहली फशिंगि कैट कॉलरगि परियोजना का क्रियान्वयन कर रहा है।
  - इस तीन वर्षीय परियोजना का उद्देश्य [प्रजातियों के नवास क्षेत्र, व्यवहार, आवास पारिस्थितिकी, भोजन की आदतों और स्थान उपयोग का अध्ययन करना है।](#)
  - परियोजना में [10 फशिंगि कैट्स को हल्के GIS-सुसज्जित उपकरणों से लेस करने की योजना है।](#)
  - कॉलरगि का कार्य मार्च या अप्रैल 2025 तक पूरा होने की आशा है।
- रामसर कन्वेंशन स्थल प्रस्ताव:
  - आंध्र प्रदेश वन विभाग कोरगि वन्यजीव अभयारण्य को इसकी समृद्ध जैव विविधता और पारिस्थितिक महत्त्व के कारण [रामसर कन्वेंशन साइट](#) का दर्जा दिलाने के लिये प्रयासरत है।

### भारतीय वन्यजीव संस्थान

- यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी।
- इसका मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड में है।
- यह वन्यजीव अनुसंधान और प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक पाठ्यक्रम और परामर्श प्रदान करता है।

### फशिंगि कैट



- वैज्ञानिक नाम: [Prionailurus viverrinus](#) (Prionailurus viverrinus)
- वविरणः
  - इसका आकार घरेलू बिल्ली से दोगुना है ।
  - फशिगि कैट रात्ररघिर (रात में सकरयि) होती है और मछली के अलावा मेंढक, क्स्टेशयिन, साँप, पक्षियों का भी शकार करती है तथा बड़े पशुओं के शवों को भी खाती है ।
  - यह प्रजाती पूरे वर्ष प्रजनन करती है ।
  - वे अपना अधकिांश जीवन जलाशयों के निकट घनी वनस्पतियों वाले कषेत्रों में व्यतीत करते हैं और उत्कृष्ट तैराक होते हैं ।
- प्राकृतिक वासः
  - [फशिगि कैट पूर्वी घाट](#) के कनारे बखिरे हुए स्थानों पर पाई जाती हैं । वे मुहाना के बाढ़ के मैदानों, ज्वारीय [मैंगरोव वनों](#) और अंतरदेशीय स्वच्छ जल के आवासों में भी बहुतायत में पाई जाती हैं ।
  - पश्चिमि बंगाल और बांग्लादेश में सुंदरबन के अलावा, फशिगि कैट्स ओडिशा में [चलिका लैगून](#) और आसपास की [आर्द्रभूमि](#) तथा आंध्र प्रदेश में [कोरगिा और कृष्णा मैंगरोव](#) में नवास करती हैं ।
- परसिंकटमयः
  - फशिगि कैट के लयि एक बड़ा खतरा उनके पसंदीदा नवास स्थान, [आर्द्रभूमि का वनाश](#) है ।
  - [झींगा पालन](#), फशिगि कैट के [मैंगरोव आवासों](#) के लयि एक और बढ़ता हुआ खतरा है ।
  - इस [अनोखी बिल्ली को मांस और त्वचा के लयि शकार](#) का भी खतरा रहता है ।
  - जनजातीय शकारिी पूरे वर्ष [अनुष्ठानिक शकार प्रथाओं](#) में लपित रहते हैं ।
  - [कभी-कभी इसकी खाल](#) के लयि भी इसका अवैध शकार कयिा जाता है ।
- संरक्षण स्थतिः
- [IUCN रेड लसिटः](#) असुरकषति
- [CITES](#): परशिषिट ॥
- [भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधनियिम, 1972](#): अनुसूची ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/fishing-cat-collaring-project>

